[This question paper contains 2 printed pages.]

Sr. No. of Question Paper : 1472 **D** **Your Roll No.....**

Unique Paper Code : 210202

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Philosophy**

Name of the Paper : Elements of Indian Philosophy – II

Semester : II

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt **FIVE** questions in all.
3. **All** questions carry equal marks.
4. Answers may be written in Hindi or English but the same medium should be followed throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. "It is known to him, to whom it is known, he does not know to whom it is known. It is unknown to those who know well, and known to those who do not know". Explain with reference to the Kena Upaniṣad.

   "वह उसे ज्ञात है जिसे वह अज्ञात है, वह नहीं जानता जिसे वह ज्ञान है। वह उन्हें अज्ञात है, जो उच्च ज्ञान वाले हैं, किन्तु ज्ञात है जिन्हें वह अज्ञात है।" केन् उपनिषद के संदर्भ में व्याख्या कीजिए।

OR / अथवा

2. Discuss the nature of Brahman according to Kena Upaniṣad. What are the means to Brahman-knowledge ?

   केनोपनिषद के आधार पर ब्रहम के स्वरूप का विवेचन कीजिए। ब्रहमज्ञान प्राप्त करने के क्या साधन हैं ?

P.T.O.

3. Explain the nature and means of knowledge according to Purva-Mīmāṁsā Philosophy.

पूर्व-मीमांसा दर्शन अनुसार ज्ञान के स्वरूप तथा प्रमाणों की व्याख्या कीजिए।

OR / अथवा

4. Discuss in detail Dharma, Vidhi and Niṣedha according to Purva-Mīmāṁsā.

पूर्व-मीमांसा दर्शन के अनुसार धर्म, विधि और निषेध की व्याख्या कीजिए।

5. Discuss Śaṁkara's doctrine of Brahma-Vivartavāda.

शंकर के ब्रह्मविवर्तवाद की विवेचना कीजिए।

OR / अथवा

6. Give a detailed account of Śaṁkara's theory of error.

शंकर के 'ख्यातिवाद' का विस्तृत विवेचन कीजिए।

7. How does Rāmānuja refute the Māyāvāda of Śaṁkara ? Explain.

रामानुज, शंकर के मायावाद का खंडन किस प्रकार करते हैं ? व्याख्या कीजिए।

OR / अथवा

8. Critically explain Rāmānuja's concept of ultimate reality. How is it different from that of Śaṁkara ?

रामानुज के दर्शन में प्रतिपादित परम तत्व की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए। यह शंकर के परम तत्व से किस प्रकार भिन्न है ?

9. Write short notes on any **Two** of the following :

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(i) Śābdabodh

शाब्दबोध

(ii) Conditions for meaningful sentence

सार्थक वाक्य की शर्तें

(iii) Criticism of Mokṣa as a Puruṣārtha

'मोक्ष' के पुरूषार्थ होने का खंडन

(iv) Śaṁkara's rejection of karma for Mokṣa

मोक्ष के लिए शंकर द्वारा दिया गया 'कर्म' का खंडन

(v) apūrva

अपूर्व

(vi) Mithyātva

मिथ्यात्व